ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है|

कक्षा -६

हिन्दी (LOWER)

पाठ -2

बगुला भगत

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: **1800 120 2316**
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

गरमी का मौसम था। एक तालाब में पानी सूखता जा रहा था। उस तालाब में बहुत-सी मछलियाँ रहती थीं। तालाब के किनारे एक धूर्त और दुष्ट बगुला भी रहता था। एक दिन वह किनारे पर साधु का वेश बनाए बैठा हुआ था और तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

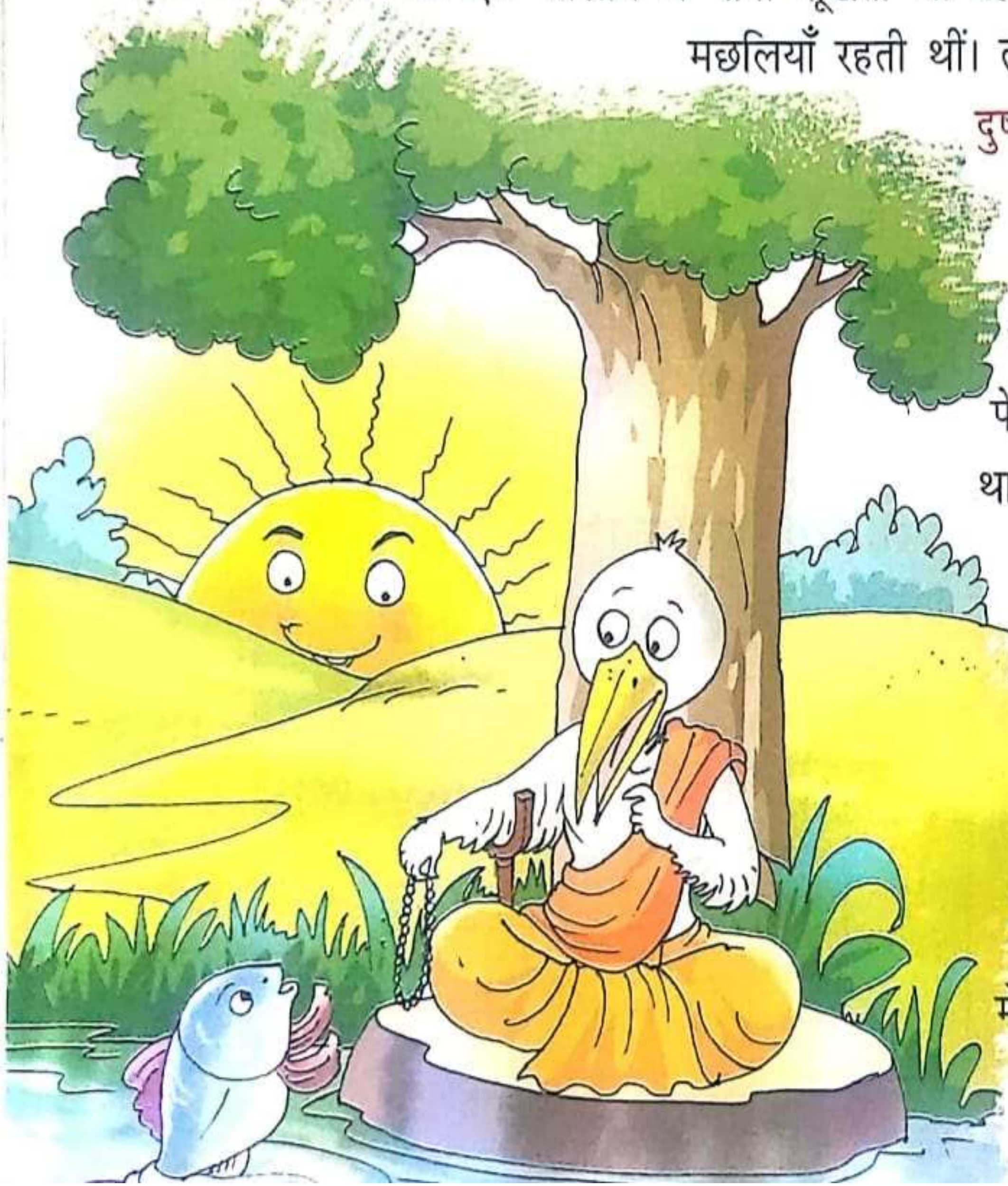

तालाब की मछलियों ने बगुले को बहुत उदास देखा, तो वे उसका कुशल पूछने आ गईं।

"क्या बात है मामा? आज बहुत चिंतित हो।"

"बस तुम्हीं लोगों की चिंता में हूँ।"

"हमारी चिंता में? भला क्यों?"

शब्दार्थ-

धूर्त-कपटी
दुष्ट- बुरा कुशल
पूछना- हाल - चाल
जानना चिंता- फ़िक्र

अर्थ बोध-

* जंगल के एक तालाब में मछलियाँ रहती थी।
* गर्मी के कारण तालाब सूख जाता है।
* तालाब के पास एक बगुला रहता था।
* बगुला साधु का रूप धारण कर बैठा रहा।
* मछलियाँ बगुला के कुशल मंगल पूछने गए।
* बगुला मछलियों को उनके भविष्य के बारे में जानकारी देता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

संबंधित प्रश्न-

१.तालाब कब और क्यों सूख जाता है?
२. बगुला का स्वभाव कैसा था?
३. बगुला उदास क्यों था?
४. बगुला क्या सोचता था?

गृहकार्य- पढ़ाया गया पाठ को पढ़ो।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow